चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	18.2.24	9	5-8

सम्मानित

एचएयू में 21 दिन से चल रहा रिफ्रेशर कोर्स सम्पन्न

कीटनाशकों और रसायनों के मिश्रित अंधाधुंध छिड़काव से खत्म हो रहे मित्र कीट: प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए। प्रो. बीआर काम्बोज शनिवार को विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स के समापन अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कोर्स नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वाधान में विश्वविद्यालय एवं सेंटर फॉर एडवांस फेकल्टी ट्रेनिंग (सीएएफटी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इसका मुख्य विषय रिसेंट एडवांसिज इन इकोफ्रेंडली मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप पैस्ट्स था।

हिसार। प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

कुलपति ने कहा कि किसान जानकारी व जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं, जिसके कारण मित्र कीट खत्म हो रहे हैं एवं पर्यावरण संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो रही है। इन समस्याओं के निवारण के लिए वैज्ञानिकों को ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज करनी चाहिए, जिससे कि कीटों पर नियंत्रण भी हो साथ ही मनुष्य के स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए सुरक्षित हो। उन्होंने वैज्ञानिकों से वर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने प्रशिक्षुओं को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जैविक खेती व रसायनों के आवश्यकता आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में शोध कार्य करने पर बल दिया। इससे पूर्व प्रशिक्षण संयोजक डॉ. दीपिका कलकल ने रिफ्रेशर कोर्स के तहत हुई विभिन्न गतिविधियों, रूपरेखा सहित अन्य संबंधित जानकारियां साझा की। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के छह राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 17 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. हरीश कुमार ने सभी का आभार जताया। मौके पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, विभिन्न कीट वैज्ञानिक सहित कोर्स को-ओर्डिनेटर वरूण सैनी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.2.24	3	6-8

वैज्ञानिक कीट प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी तकनीकों का करें प्रचार : प्रो. काम्बोज

हकृवि मे 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स सम्पन्न

हिसार, 17 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। यह कोर्स नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वाधान में विश्वविद्यालय एवं सेंटर फॉर एडवांस फैकल्टी ट्रेनिंग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय 'रिसैंट एडवांसिज इन इकोफ्रैंडली मैनेजमैंट ऑफ क्रॉप पैस्टस्' था। इस कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसान जानकारी व जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं, जिसके कारण मित्र कीट खत्म हो रहे हैं एवं पर्यावरण संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो रही है।

प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित करते प्रो. बी.आर. काम्बोज।

उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के निवारण के लिए वैज्ञानिकों को ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज करनी चाहिए, जिससे कि कीटों पर नियंत्रण भी हो साथ ही मनुष्य के स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए सुरक्षित हो। उन्होंने वैज्ञानिकों से वर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे एकीकृत नाशजीवी प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी उन्नत तकनीकों का विकास के साथ-साथ उनका प्रचार-प्रसार करें। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने प्रशिक्षुओं को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जैविक खेती व रसायनों के आवश्यकता आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में शोध कार्य करने पर बल दिया। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. दीपिका कलकल ने बताया कि प्रशिक्षण में देश के 6 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 17 वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	18.2.24	9	2-4

कीट प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी तकनीकों का करें प्रचार : प्रो. काम्बोज

■ हकृवि में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स सम्पन्न

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। यह कोर्स नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के तत्वाधान में विश्वविद्यालय एवं सेंटर फॉर एडवांस फेकल्टी ट्रेनिंग (सीएएफटी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय रिसेंट एडवांसिज इन इकोफ्रेंडली मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप पैस्ट था। इस कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए। इन समस्याओं के निवारण के लिए वैज्ञानिकों को ऐसे प्रबंधन उपायें की खोज करनी चाहिए, जिससे कि कीटों पर नियंत्रण भी हो साथ ही मनुष्य के स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए सुरक्षित हो। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे एकीकृत नाशजीवी प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी उन्नत तकनीकों का विकास के साथ-साथ उनका प्रचार-प्रसार करें। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 6 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 17 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, विभिन्न कीट वैज्ञानिक सहित कोर्स को-ओर्डिनेटर वरूण सैनी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18.2.24	4	5-6

कीट प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी तकनीकों का करें प्रचार

एचएयू के कीट विज्ञान विभाग में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए। ● पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न हुआ। यह कोर्स नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में विश्वविद्यालय एवं सेंटर फार एडवांस फैकल्टी ट्रेनिंग (सीएएफटी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हुआ। इसका मुख्य विषय रिसेंट एडवांसिज इन इको फ्रेंडली मैनेजमेंट आफ क्राप पैस्टस था। इस कोर्स के समापन पर कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण विज्ञानिकों के लिए चुनौती है। इसलिए विज्ञानिकों को इन पहलुओं को ध्यान में रखकर शोध कार्य को बढ़ाना चाहिए। किसान जानकारी व जागरूकता के अभाव में बिना विज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं, जिसके कारण मित्र कीट खत्म हो रहे हैं और पर्यावरण संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इनके निवारण के लिए विज्ञानिकों को ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज करनी चाहिए, जिससे कि कीटों पर नियंत्रण भी हो साथ ही मनुष्य के स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए सुरक्षित हों। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने जैविक खेती व रसायनों के आवश्यकता आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में शोध कार्य करने पर बल दिया। इससे पूर्व प्रशिक्षण संयोजक डा. दीपिका कलकल ने रिफ्रेशर कोर्स के अंतर्गत हुई विभिन्न गतिविधियों, रूपरेखा सहित अन्य संबंधित जानकारियां साझा की। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के छह राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 17 विज्ञानिकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण संयोजक डा. हरीश कुमार मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18.2.24	5	1-4

वैज्ञानिक कीट प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी तकनीकों का करें प्रचार : प्रो. काम्बोज

हकृवि में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न

हिसार, 17 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। यह कोर्स नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वाधान में विश्वविद्यालय एवं सेंटर फॉर एडवांस फेकल्टी ट्रेनिंग (सीएएफटी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय 'रिसेंट एडवांसिज इन इकोफ्रैंडली मैनेजमैंट ऑफ क्रॉप पैस्टस' था। इस कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए।

प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए।

उन्होंने कहा कि किसान जानकारी व जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं, जिसके कारण मित्र कीट खत्म हो रहे हैं एवं पर्यावरण संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो रही है। इन समस्याओं के निवारण के लिए वैज्ञानिकों को ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज करनी चाहिए, जिससे कि कीटों पर नियंत्रण भी हो साथ ही मनुष्य के स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए सुरक्षित हो। उन्होंने वैज्ञानिकों से वर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे एकीकृत नाशजीवी प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी उन्नत तकनीकों का विकास के साथ-साथ उनका प्रचार-प्रसार करें। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने प्रशिक्षुओं को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जैविक खेती व रसायनों के आवश्यकता आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में शोध कार्य करने पर बल दिया। इससे पूर्व प्रशिक्षण संयोजक डॉ. दीपिका कलकल ने रिफ्रेशर कोर्स के अंतर्गत हुई विभिन्न गतिविधियों, रूपरेखा सहित अन्य संबंधित जानकारियां साझा की। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 6 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 17 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अंत: में प्रशिक्षण संयोजक डॉ. हरीश कुमार ने सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, विभिन्न कीट वैज्ञानिक सहित कोर्स को-ओर्डिनेटर वरूण सैनी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	18.2.24	9	5-6

'कीट प्रबंधन के लिए पर्यावरण हितैषी तकनीकों का करें प्रचार'

हिसार, 17 फरवरी (हप्र)

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न हुआ। यह कोर्स नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वाधान में विश्वविद्यालय एवं सेंटर फॉर एडवांस फेकल्टी ट्रेनिंग (सीएएफटी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय 'रिसेंट एडवांसिज इन इकोफ्रेंडली मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप पैस्ट्स' था। इस कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। उन्होंने कहा कि किसान अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं, जिसके कारण मित्र कीट खत्म हो रहे हैं एवं पर्यावरण संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो रही है। इनके निवारण के लिए ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज करनी चाहिए, जिससे कि कीटों पर नियंत्रण भी हो, साथ ही मनुष्य के स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए सुरक्षित हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.2.24	2	5

फसलों पर कीटों का हमला चुनौती

हिसार । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। यह कोर्स नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में विश्वविद्यालय एवं सेंटर फॉर एडवांस फेकल्टी ट्रेनिंग सीएएफटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। जिसका मुख्य विषय 'रिसेंट एडवांसिज इन इकोफ्रेंडली मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप पैस्टस्' था। इस कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	19.2.24	2	4

सूरजमुखी की फसल में न करें खाद का अधिक इस्तेमाल

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों ने किसानों को सूरजमुखी की फसल में निश्चित मात्रा में खाद का प्रयोग करने की सलाह दी है। उन्नत क़िस्म एवं सामान्य उपजाऊ अवस्थाओं में संकर किस्मों में 24 किलोग्राम शुद्ध नाइट्रोजन तथा 16 किलोग्राम शुद्ध फास्फोरस प्रति एकड़ के हिसाब से डालें। संकर किस्म (हाइब्रिड) के लिए 40 कि.ग्रा. नाइट्रोजन (90 कि.ग्रा. यूरिया) तथा 20 कि.ग्रा. फास्फोरस (125 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट) प्रति एकड़ डालें। हल्की भूमि वाले प्रांतों (दक्षिणी क्षेत्रों) में नाइट्रोजन की मात्रा 32 कि.ग्रा. एवं फास्फोरस की 24 कि.ग्रा. प्रति एकड़ प्रयोग करें। पूरी फास्फोरस व आधी नाइट्रोजन बिजाई के समय डालें।

जनवरी में बीजी गई फसल में पहली सिंचाई, बिजाई के लगभग 30-35 दिन बाद करें। नाइट्रोजन की शेष आधी मात्रा (प्रति एकड़ 12 कि.ग्रा. सामान्य उपजाऊ एवं 16 कि.ग्रा. हल्की भूमि में) प्रथम सिंचाई के समय डालें। जनवरी में बीजी गई फसल में पहली निराई-गुड़ाई भी करें। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	19.2.24	2	5-8

सब्जियों में चुरड़ा मुरड़ा, सफेद मक्खी के प्रकोप का खतरा

एचएयू के वैज्ञानिकों ने दी बचाव व रोकथाम की सलाह

हिसार। मार्च के महीने में टमाटर, मिर्च, बैंगन की फसलों में चुरड़ा, सफेद मक्खी का प्रकोप हो सकता है। हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वैज्ञानिकों ने इनसे बचाव और रोकथाम के उपाय सुझाए हैं। टमाटर के पौध रोपने के बाद प्रति एकड़ के हिसाब से 35 किलोग्राम नाइट्रोजन दें। इसे रोपाई के तीसरे सप्ताह तथा फूल आने के समय आधी आधी मात्रा में दिया जाएगा तो सबसे बेहतर होगा। खाद देते समय सिंचाई करना जरूरी है। टमाटर की फसल ही हर सप्ताह सिंचाई करें। मार्च में टमाटर में फल आने शुरू होंगे। इस समय में पत्तों का चुरड़ा मुरड़ा, पत्ता लपेट, धारियों वाला मौजेक का असर दिखे तो ऐसे पौधों को खेत से निकाल दें।

सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए 400 मिलीलीटर मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ में छिड़काव करें। 10 से 15 दिन के अंतर पर यह छिड़काव दोबारा करें। यदि फल छेदक सुंडी का आक्रमण दिखे तो 75 एमएल फैनवेलरेट 20 ईसी 250 लीटर पानी में घोल कर प्रति एकड़ के हिसाब से स्प्रे करें। दवा का छिड़काव करने से पहले रोगग्रसित फलों को तोड़कर खेत से बाहर निकाल कर नष्ट कर दें। ब्यूरो

मिर्च में फूल आने पर दवा का करें छिड़काव

मिर्च की फसल में मार्च में सिंचाई करते रहें। तीन सप्ताह बाद तथा फूल आने के बाद 12 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। फूल आने पर प्लानोफिक्स का

घोल छिड़काव करें। इसे तीन सप्ताह बाद दोहराएं। चुरड़ा व सफेद मक्खी से बचाव के लिए 400 मिलीलीटर मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ में छिड़काव करें। 15 से 20 दिन के अंतराल पर इसे दोहराएं।

रोगग्रस्त टहनियों को काट कर अलग निकाल दें

बैंगन की फसल में रस चूसने वाले कीटों का प्रभाव दिखे तो 300-400 एमएल मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ में छिड़काव करें। फल लगने पर बैंगन में फल छेदक कीट लगना शुरू हो जाते हैं। इसके नियंत्रण के लिए 75 ग्राम स्पाइनोसेंड ट्रेसर 45 एमसी को 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ के हिसाब से स्प्रे करें। दवा का प्रयोग करने से पहले फलों को तोड़ लें। स्प्रे करने के 8 से 10 दिन तक फलों का उपयोग न करें। रोगग्रस्त टहनियों को काट कर अलग निकाल दें।